NEWSLETTER

शनिवार, 25मई 2024 | वॉल्यूम - 99

News | Cotton Weekly Physical chart | Share Market Update | Important News

कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएआई) अपने सदस्यों और भारत में व्यापक कपास उद्योग को कई लाभ प्रदान करता है।

GOLD :71279
SILVER : 90540
CRUDE OIL : 6469

कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएआई) अपने सदस्यों और भारत में व्यापक कपास उद्योग को कई लाभ प्रदान करता है।

यहां कुछ प्रमुख लाभ दिए गए हैं:

बाज़ार सूचना और बुद्धिमत्ता :

मूल्य डेटा और रुझान: सीएआई कपास की कीमतों और बाजार के रुझानों पर समय पर जानकारी प्रदान करता है, जिससे सदस्यों को सूचित व्यावसायिक निर्णय लेने में मदद मिलती है।
फसल रिपोर्ट: फसल उत्पादन अनुमान और खेती के तहत क्षेत्र पर नियमित अपडेट।
बाजार विश्लेषण: मांग और आपूर्ति की गतिशीलता सहित घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय कपास बाजारों में अंतर्दृष्टि।

वकालत और प्रतिनिधित्व :

नीति वकालत: सीएआई सरकार के समक्ष कपास उद्योग के हितों का प्रतिनिधित्व करती है, अनुकूल नीतियों और नियामक ढांचे की वकालत करती है।
उद्योग की आवाज़: एसोसिएशन कपास क्षेत्र के लिए एक एकीकृत आवाज़ के रूप में कार्य करता है, जो हितधारकों के सामने आने वाले मुद्दों और चुनौतियों का समाधान करता है।

गुणवत्ता मानक और प्रमाणपत्र :

मानकीकरण: सीएआई गुणवत्ता मानकों को बढ़ावा देता है और उनका पालन सुनिश्चित करता है, जिससे भारतीय कपास की विश्वसनीयता और विपणन क्षमता बढ़ती है।
प्रमाणन कार्यक्रम: ऐसे प्रमाणन प्रदान करना जो उच्च मानकों को बनाए रखने और वैश्विक बाजार में विश्वास हासिल करने में मदद करते हैं।

नेटवर्किंग और सहयोग :

उद्योग कार्यक्रम: सम्मेलनों, सेमिनारों और कार्यशालाओं का आयोजन करता है जो नेटवर्किंग के अवसर प्रदान करते हैं और उद्योग के खिलाड़ियों के बीच ज्ञान साझा करने की सुविधा प्रदान करते हैं।

शिक्षण और प्रशिक्षण :

कौशल विकास: कपास उद्योग में व्यक्तियों के कौशल को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएँ प्रदान करता है।
अनुसंधान और विकास: कपास उत्पादन, गुणवत्ता और विपणन रणनीतियों में सुधार लाने के उद्देश्य से अनुसंधान गतिविधियों को प्रोत्साहित करता है।

विवाद समाधान :

मध्यस्थता सेवाएँ: सदस्यों के बीच विवादों को सुलझाने के लिए मध्यस्थता सेवाएँ प्रदान करता है, जिससे संघर्षों का निष्पक्ष और कुशल समाधान सुनिश्चित होता है।
कानूनी सहायता: कपास व्यापार से संबंधित कानूनी चुनौतियों से निपटने में सहायता।

वैश्विक व्यापार सुविधा :

निर्यात सहायता: सदस्यों को निर्यात नियमों और अवसरों के बारे में जानकारी प्रदान करके अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों की खोज और उन तक पहुँचने में मदद करता है।
व्यापार मिशन: विश्व स्तर पर भारतीय कपास को बढ़ावा देने के लिए व्यापार मिशन आयोजित करता है और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेलों में भाग लेता है।

प्रकाशन और संचार :

न्यूज़लेटर और जर्नल: उद्योग समाचार, शोध निष्कर्ष और एसोसिएशन गतिविधियों पर अपडेट प्रदान करने वाले नियमित प्रकाशन।
वेबसाइट और डिजिटल संसाधन: बाज़ार रिपोर्ट और उद्योग विश्लेषण सहित ढेर सारे डिजिटल संसाधनों तक पहुंच।
ये लाभ सामूहिक रूप से भारत में कपास उद्योग की वृद्धि, स्थिरता और प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने में मदद करते हैं।

उपरोक्त कथन का सत्यापन, निम्नलिखित महत्वपूर्ण जानकारी को कॉटन एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया ने अप्रैल 2024 की प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से प्रेषित किया है, से भली भाती होता है।

रुई वर्ष 2023-24 की तुलना में, चालू सीजन 2023-24 में देश में कॉटन प्रेसिंग लगभग 3% कम, आयत 66% अधिक, खपत 2% अधिक, निर्यात 42 % अधिक एवम अंतिम स्टॉक 31% कम होकर 20 लाख गठान के आसपास होने की संभावना बताई है।

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77775

कॉटन मार्केट की साप्ताहिक हलचल पर एक नजर

SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775 WEEKLY CHART 25.05.2024			
ICE COTTON			
MONTH	17.05.24	24.05.24	WEEKLY CHANGE
JULY	75.89	80.52	4.63
DEC	74.97	78.01	3.04
MAR'25	76.58	79.52	2.94
MCX (COTTON)			
MAY	55900	56500	600
JULY	57900	58200	300
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1577	1622	45
NCDEX (COCUD KHAL)			
JUNE	2709	2759	50
JULY	2758	2820	62
SMART INFO SERVICE		CALL : 91119 77775	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	83.34	83.10	-0.24
PAK (Pakistani Rupee)	278.379	277.998	-0.381
CNY (Chinese yuan)	7.22339	7.24258	0.01919
BRAZIL (Real)	5.10452	5.16703	0.06251
AUSTRALIAN Dollar	1.49279	1.50939	0.0166
MALAYSIAN RINGGITS	4.68794	4.70448	0.01654
COTLOOK "A" INDEX	85.85	90.85	5
BRAZIL COTTON INDEX	74.64	74.79	0.15
USDA SPOT RATE	68.25	73.02	4.77
MCX SPOT RATE	56900	57320	420
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	19700	19700	0
GOLD ($)	2419.00	2335.20	-83.8
SILVER ($)	31.775	30.545	-1.23
CRUDE ($)	80.00	77.80	-2.2

इस सप्ताह, इंटरनेशनल मार्केट में लगातार बढ़त वाला माहौल रहा।

इंटरनेशनल कॉटन एक्सचेंज के जुलाई, दिसंबर एवं मार्च 25 के लिए कॉटन के भाव में क्रमशः 4.63, 3.04 एवं 2.94 सेंट तक गिरे।

भारतीय बाजार MCX पर कॉटन के दाम में मई माह के लिए 600 रुपऐ की बढ़त देखी गई।

NCDEX पर कपास के भाव 45 रूपए प्रति 20 किलो तक बढ़े, वहीं खल के भाव में जून और जुलाई माह में 50 और 62 रुपए प्रति क्विंटल तक की बढ़त दर्ज की गई |

अन्य देशों के कॉटन मार्केट पर नजर करें तो कॉटलुक "ए" इंडेक्स में बढ़त देखी गई, USDA स्पॉट रेट भी 4.77 सेंट बढ़े, MCX स्पॉट 420 रुपए प्रति कैंडी भाव में बढ़त रही, वही ब्राजील कॉटन इंडेक्स 0.15 बढ़त।

देश भर के प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में इस सप्ताह कपास की आवक

SMART INFO SERVICES ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL CALL : 91119 77775						
STATE	20.05.24	21.05.24	22.05.24	23.05.24	24.05.24	25.05.24
PUNJAB	-	-	-	-	-	-
HARYANA	1,000	1,000	1,000	1,000	1,000	-
UPPER RAJASTHAN	100	100	100	100	100	100
LOWER RAJASTHAN	200	200	200	200	200	200
NORTH ZONE	1,300	1,300	1,300	1,300	1,300	300
GUJRAT	5,000	6,500	5,500	5,500	6,000	6,000
MADHYA PRADESH	2,000	2,000	2,000	2,000	2,000	2,000
MAHARASHTRA	17,000	20,000	20,000	12,000	17,000	17,000
CENTRAL ZONE	24,000	28,500	27,500	19,500	25,000	25,000
KARNATAKA	1,500	1,500	1,500	1,200	1,000	1,000
ANDHRA PRADESH	1,100	1,200	1,300	1,200	1,300	1,200
TELANGANA	300	300	300	400	300	300
TAMILNADU	-	-	-	-	-	-
SOUTH ZONE	2,900	3,000	3,100	2,800	2,600	2,500
ODISHA	-	-	-	-	-	-
TOTAL	28,200	32,800	31,900	23,600	28,900	27,800
ARRIVAL IN 170 Kg.						

भारतीय कपड़ा उद्योग: 2030 तक 100 अरब डॉलर के निर्यात की राह बुनना

भारतीय कपड़ा उद्योग, जो देश की अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख स्तंभ है, का लक्ष्य 2030 तक 100 बिलियन डॉलर का निर्यात हासिल करना है। यह महत्वाकांक्षी लक्ष्य मौजूदा निर्यात आंकड़ों से महत्वपूर्ण वृद्धि दर्शाता है। वाणिज्यिक खुफिया और सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएस) के अनुसार, भारत का कपड़ा और परिधान निर्यात पिछले वर्ष के 35.5 अरब डॉलर से घटकर 2023-24 में 34.4 अरब डॉलर हो गया।

हालिया गिरावट के बावजूद कपड़ा सचिव रचना शाह आशावादी बनी हुई हैं। उनका दावा है कि सरकार कपड़ा निर्यात को बढ़ावा देने पर गहनता से ध्यान केंद्रित करेगी और 2030 तक 100 बिलियन डॉलर के लक्ष्य तक पहुंचने को लेकर आश्वस्त है। इसे प्राप्त करने के लिए, सरकार ने रणनीतिक योजनाओं और पहलों से भरे एक व्यापक रोडमैप की रूपरेखा तैयार की है।

वस्त्र विजय का रोडमैप

विनिर्माण को बढ़ावा देना:
2021 में शुरू की गई प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना कपड़ा निर्माण, विशेष रूप से मानव निर्मित फाइबर और तकनीकी वस्त्रों में निवेश आकर्षित करने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करती है। इस योजना का उद्देश्य घरेलू विनिर्माण को मजबूत करना और आयात पर निर्भरता कम करना है।

निर्यात पर फोकस:
सरकार यूरोपीय संघ और खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) जैसे प्रमुख बाजारों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर सक्रिय रूप से बातचीत कर रही है। इन समझौतों का उद्देश्य भारतीय वस्त्रों के लिए बेहतर शुल्क पहुंच सुनिश्चित करना है, जिससे निर्यात को वैश्विक स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बनाया जा सके।

कौशल विकास और उन्नयन:
कुशल कार्यबल की आवश्यकता को पूरा करने के लिए, सरकार कौशल पहल और आधुनिकीकरण कार्यक्रमों में निवेश कर रही है। टेक्सटाइल सेक्टर स्किल काउंसिल (टीएससी) के माध्यम से, सरकार का लक्ष्य उत्पादकता और गुणवत्ता बढ़ाना है, जिससे भारतीय कपड़ा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम हो सके।

ब्रांड इंडिया टेक्सटाइल्स:
भारत की विविध हथकरघा विरासत को प्रदर्शित करने वाली प्रदर्शनी 'विरासत' और पारंपरिक साड़ियों को बढ़ावा देने वाले 'माई साड़ी - माई प्राइड' अभियान जैसी पहल का उद्देश्य भारतीय वस्त्रों की वैश्विक ब्रांड छवि को मजबूत करना है। भौगोलिक रूप से संकेतित (जीआई) टैग वाले उत्पादों को बढ़ावा देना और भारतीय वस्त्रों के लिए एक मजबूत ब्रांड पहचान बनाना परिवर्तनकारी हो सकता है।

चुनौतियाँ और प्रति-उपाय

प्रतियोगिता:
कम श्रम लागत वाले वियतनाम और बांग्लादेश जैसे देश महत्वपूर्ण प्रतिस्पर्धा पैदा करते हैं। प्रौद्योगिकी को उन्नत करके और मूल्यवर्धित उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करके, भारत बाजार में अपनी अलग पहचान बना सकता है।

बुनियादी ढाँचे की बाधाएँ:
तेजी से टर्नअराउंड समय और लागत में कमी के लिए लॉजिस्टिक्स और बुनियादी ढांचे में सुधार करना महत्वपूर्ण है। बेहतर बुनियादी ढांचे के साथ टेक्सटाइल पार्क का विकास चल रही पहलों में से एक है।

तकनीकी अनुकूलन:
दक्षता और उत्पादकता लाभ प्राप्त करने के लिए स्वचालन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी तकनीकी प्रगति को अपनाना आवश्यक है।

स्थिरता संबंधी चिंताएँ:
बढ़ती पर्यावरणीय चेतना के साथ, उद्योग को संपूर्ण कपड़ा मूल्य श्रृंखला में टिकाऊ प्रथाओं को अपनाना चाहिए।

निष्कर्ष

कपड़ा निर्यात को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार का रोडमैप महत्वाकांक्षी लेकिन अच्छी तरह से संरचित है। हालाँकि कई चुनौतियाँ हैं, रणनीतिक पहल और उद्योग प्रयास, नवाचार के साथ मिलकर, 100 बिलियन डॉलर के लक्ष्य को प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। इस लक्ष्य की ओर यात्रा भारतीय कपड़ा उद्योग के लिए गतिशील और परिवर्तनकारी होने की ओर अग्रसर है।

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

हरियाणा के राजौंद शहर में पानी की कमी से कपास की खेती होने लगी खराब

पिछले दो सप्ताह से सूर्य देव आग उगल रहे है। जिससे किसानों की हरे चारे की फसलें, कपास की फसलें, गर्मी का शिकार होकर आए दिन बढ़वार लेने की जगह मुरझा रही है। किसान धर्मपाल, रघुबीर सिंह, कर्ण सिंह, कृष्ण लाल, सेवा सिंह, तेजपाल ने बताया कि लगातार बढ़ रहे तापमान व गर्मी के चलते आए दिन फसलें प्रभावित

कपड़ा उद्योग प्रतिस्पर्धी कच्चे माल की कीमतें सुनिश्चित करने के लिए नीति में संशोधन की मांग कर रहा है

भारतीय कपड़ा उद्योग परिसंघ (सीआईटीआई) कच्चे माल, विशेष रूप से कपास और मानव निर्मित फाइबर (एमएमएफ) के लिए प्रतिस्पर्धी कीमतों को सुरक्षित करने के उद्देश्य से नीतिगत समायोजन की वकालत कर रहा है, ताकि भारतीय कपड़ा उद्योग को 2030 तक अपने महत्वाकांक्षी 350 बिलियन डॉलर के लक्ष्य तक पहुंचाया जा सके।

खानदेश में प्री-सीज़नल कपास की खेती की तैयारी जोरों पर

खानदेश में प्री-सीज़न कपास की खेती की तैयारी अच्छी तरह से चल रही है। कपास के बीज डीलरों तक पहुंच गए हैं और अब खरीद के लिए उपलब्ध हैं। हालाँकि, इस वर्ष कपास की खेती में थोड़ी कमी आने की उम्मीद है, बागवानी किसान कपास के लिए समर्पित क्षेत्र को कम करने और अन्य फसलों में विविधता लाने की योजना बना रहे हैं।

पाकिस्तान: फ़ैसलाबाद में 100,000 एकड़ से अधिक भूमि पर कपास की खेती की जाती है

कृषि विभाग के संभागीय निदेशक (विस्तार) चौधरी खालिद महमूद ने आशाजनक खबर साझा की: फैसलाबाद डिवीजन में कपास की खेती 100,000 एकड़ का आंकड़ा पार कर गई है। चक 487-जीबी में प्रगतिशील किसान मुहम्मद जिया-उल-हक द्वारा आयोजित किसान दिवस सभा में बोलते हुए, महमूद ने खुलासा किया कि इस वर्ष कपास की खेती के लिए कृषि विभाग द्वारा निर्धारित प्रारंभिक लक्ष्य 115,800 एकड़ था। हालाँकि, किसान पहले ही 100,000 एकड़ जमीन कपास के लिए समर्पित कर चुके हैं, शेष लक्ष्य जल्द ही पूरा होने की उम्मीद है।

अच्छे मानसून के अनुमान के बावजूद कपास की फसल को लेकर किसान परेशान, कपड़ा उद्योग पर दिखेगा असर

अनुकूल मानसून की भविष्यवाणी होने पर भी किसान कपास की फसल को लेकर चिंतित हैं; कपड़ा उद्योग पर प्रभाव स्पष्ट होगा, इस साल, वैश्विक बाजारों में कपास के दामों में दबाव का अनुमान है, पर भारतीय किसानों को इसके अलावा और भी चिंताएं हैं, जिनका प्रभाव वस्त्र उद्योग पर पड़ेगा।

इस सप्ताह, रुई बाजार में बढ़त वाला माहौल देखा गया

इस सप्ताह, रुई बाजार में बढ़त वाला माहौल देखा गया।

नार्थ झोन के पंजाब और हरियाणा राज्य में 75 की बढ़त देखीं गई। वही अपर राजस्थान राज्य में स्थिरता रही।

सेंट्रल झोन के मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र राज्य में 600-700 रुपए प्रति कैंडी की बढ़त दर्ज की गई, जबकि गुजरात में सबसे ज्यादा 1000 रूपए प्रति कैंडी की बढ़त रही।

साउथ झोन के कर्णाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्य में 500-700 रुपए प्रति कैंडी की बढ़त रही, जबकि ओड़िशा राज्य में रही स्थिरता।

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91119 77775

DATE: 25.05.2024

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	20.05.24		25.05.24		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,725	5,750	5,800	5,825	75
HARYANA	27.5/28	5,630	5,650	5,725	5,725	75
UPPER RAJASTHAN	28	5,375	5,825	5,475	5,825	0
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	56,400	56,800	57,500	57,800	1,000
MADHYA PRADESH	29	56,700	57,000	57,300	57,800	800
MAHARASHTRA	29+ vid.	57,000	57,300	57,400	58,000	700
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	58,700	58,900	58,800	58,900	0
KARNATAKA	29 mm	57,000	57,500	57,700	58,200	700
ANDHRA PRADESH	29 mic 4+	57,000	58,300	57,600	58,900	600
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	57,000	58,000	57,500	58,500	500

NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy

NEWSLETTER

Saturday, 25May 2024 | Volume - 99

News | Cotton Weekly Physical chart | Share Market Update | Important News

The Cotton Association of India (CAI) provides many benefits to its members and the wider cotton industry in India.

GOLD :71279
SILVER : 90540
CRUDE OIL : 6469

The Cotton Association of India (CAI) provides many benefits to its members and the wider cotton industry in India.

Here are some of the key benefits:

Market Information and Intelligence:

Price Data and Trends: CAI provides timely information on cotton prices and market trends, helping members make informed business decisions.
Crop Report: Regular updates on crop production estimates and area under cultivation.
Market Analysis: Insights into domestic and international cotton markets, including demand and supply dynamics.

Advocacy and Representation:

Policy Advocacy: CAI represents the interests of the cotton industry before the government, advocating for favorable policies and regulatory frameworks.
Voice of the Industry: The Association acts as a unified voice for the cotton sector, addressing issues and challenges faced by stakeholders.

Quality Standards and Certifications:

Standardization: CAI promotes and ensures adherence to quality standards, thereby enhancing the credibility and marketability of Indian cotton.
Certification Programs: Providing certifications that help maintain high standards and gain confidence in the global market.

Networking and Collaboration:

Industry Events: Organizes conferences, seminars and workshops that provide networking opportunities and facilitate knowledge sharing among industry players.
Member Directory: Access to a comprehensive directory of members, promoting collaboration and business opportunities.

Education and training :

Skill Development: Provides training programs and workshops to enhance the skills of individuals in the cotton industry.
Research and Development: Encourages research activities aimed at improving cotton production, quality and marketing strategies.
dispute resolution:

Mediation Services: Provides mediation services to resolve disputes between members, thereby ensuring fair and efficient resolution of conflicts.
Legal Assistance: Assistance in dealing with legal challenges related to cotton trade.

Global Trade Facility:

Export Assistance: Helps members discover and access international markets by providing information about export regulations and opportunities.
Trade Mission: Organizes trade missions and participates in international trade fairs to promote Indian cotton globally.

Publications and Communications:

Newsletters and Journals: Regular publications providing industry news, research findings and updates on association activities.
Website and digital resources: Access to a wealth of digital resources, including market reports and industry analysis.
These benefits collectively help in enhancing the growth, sustainability and competitiveness of the cotton industry in India.

The above statement can be verified by the following important information sent by the Cotton Association of India through the press release of April 2024.

Compared to cotton year 2023-24, in the current season 2023-24, cotton pressing in the country is approximately 3% less, import is 66% more, consumption is 2% more, export is 42% more and the final stock is 31% less to around 20 lakh bales. Said to be likely to happen.

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77775

A look at the weekly movement of the cotton market

SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775 WEEKLY CHART 25.05.2024			
ICE COTTON			
MONTH	17.05.24	24.05.24	WEEKLY CHANGE
JULY	75.89	80.52	4.63
DEC	74.97	78.01	3.04
MAR'25	76.58	79.52	2.94
MCX (COTTON)			
MAY	55900	56500	600
JULY	57900	58200	300
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1577	1622	45
NCDEX (COCUD KHAL)			
JUNE	2709	2759	50
JULY	2758	2820	62
SMART INFO SERVICE		**CALL : 91119 77775**	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	83.34	83.10	-0.24
PAK (Pakistani Rupee)	278.379	277.998	-0.381
CNY (Chinese yuan)	7.22339	7.24258	0.01919
BRAZIL (Real)	5.10452	5.16703	0.06251
AUSTRALIAN Dollar	1.49279	1.50939	0.0166
MALAYSIAN RINGGITS	4.68794	4.70448	0.01654
COTLOOK "A" INDEX	85.85	90.85	5
BRAZIL COTTON INDEX	74.64	74.79	0.15
USDA SPOT RATE	68.25	73.02	4.77
MCX SPOT RATE	56900	57320	420
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	19700	19700	0
GOLD ($)	2419.00	2335.20	-83.8
SILVER ($)	31.775	30.545	-1.23
CRUDE ($)	80.00	77.80	-2.2

This week, there was a continuous bullish environment in the international market.

International Cotton Exchange cotton prices for July, December and March 25 fell by 4.63, 3.04 and 2.94 cents respectively.

An increase of Rs 600 was seen in the price of cotton on the Indian market MCX for the month of May.

On NCDEX, cotton prices increased by Rs 45 per 20 kg, while in the months of June and July, cotton prices increased by Rs 50 and Rs 62 per quintal.

If we look at the cotton market of other countries, an increase was seen in Cotlook "A" index, USDA spot rate also increased by 4.77 cents, MCX spot price increased by Rs 420 per candy, while Brazil Cotton Index increased by 0.15 cents.

Cotton arrival this week in major cotton producing states across the country

SMART INFO SERVICES ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL CALL : 91119 77775						
STATE	20.05.24	21.05.24	22.05.24	23.05.24	24.05.24	25.05.24
PUNJAB	-	-	-	-	-	-
HARYANA	1,000	1,000	1,000	1,000	1,000	-
UPPER RAJASTHAN	100	100	100	100	100	100
LOWER RAJASTHAN	200	200	200	200	200	200
NORTH ZONE	1,300	1,300	1,300	1,300	1,300	300
GUJRAT	5,000	6,500	5,500	5,500	6,000	6,000
MADHYA PRADESH	2,000	2,000	2,000	2,000	2,000	2,000
MAHARASHTRA	17,000	20,000	20,000	12,000	17,000	17,000
CENTRAL ZONE	24,000	28,500	27,500	19,500	25,000	25,000
KARNATAKA	1,500	1,500	1,500	1,200	1,000	1,000
ANDHRA PRADESH	1,100	1,200	1,300	1,200	1,300	1,200
TELANGANA	300	300	300	400	300	300
TAMILNADU	-	-	-	-	-	-
SOUTH ZONE	2,900	3,000	3,100	2,800	2,600	2,500
ODISHA	-	-	-	-	-	-
TOTAL	28,200	32,800	31,900	23,600	28,900	27,800
ARRIVAL IN 170 Kg.						

Indian Textiles: Weaving a Path to $100 Billion in Exports by 2030

The Indian textile industry, a key pillar of the nation's economy, is aiming to achieve $100 billion in exports by 2030. This ambitious target represents a significant increase from the current export figures. According to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCIS), India's textile and apparel exports dropped to $34.4 billion in 2023-24 from $35.5 billion the previous year.

Despite the recent decline, Textiles Secretary Rachna Shah remains optimistic. She asserts that the government will focus intensely on promoting textile exports and is confident about reaching the $100 billion target by 2030. To achieve this, the government has outlined a comprehensive roadmap filled with strategic plans and initiatives.

The Roadmap to Textile Triumph

Boosting Manufacturing:
The Production Linked Incentive (PLI) scheme, launched in 2021, offers financial incentives to attract investments in textile manufacturing, especially in man-made fibers and technical textiles. This scheme aims to strengthen domestic manufacturing and reduce dependence on imports.

Focus on Exports:
The government is actively negotiating Free Trade Agreements (FTAs) with key markets such as the European Union and the Gulf Cooperation Council (GCC). These agreements aim to secure better duty access for Indian textiles, making exports more competitive globally.

Skilling and Upgradation:
To address the need for a skilled workforce, the government is investing in skilling initiatives and modernization programs. Through the Textile Sector Skill Council (TSC), the government aims to enhance productivity and quality, enabling Indian textiles to compete with international players.

Brand India Textiles:
Initiatives like ‘Virasaat’, an exhibition showcasing India's diverse handloom heritage, and the ‘My Sari - My Pride’ campaign, which promotes traditional saris, aim to strengthen the global brand image of Indian textiles. Promoting geographically-indicated (GI) tagged products and building a strong brand identity for Indian textiles can be transformative.

Challenges and Counter-Measures

Competition:
Countries like Vietnam and Bangladesh, with lower labor costs, pose significant competition. By upgrading technology and focusing on value-added products, India can differentiate itself in the market.

Infrastructure Bottlenecks:
Improving logistics and infrastructure is crucial for faster turnaround times and cost reduction. The development of textile parks with improved infrastructure is one of the initiatives underway.

Technological Adaptation:
Embracing technological advancements, such as automation and artificial intelligence, is essential for achieving efficiency and productivity gains.

Sustainability Concerns:
With growing environmental consciousness, the industry must adopt sustainable practices throughout the textile value chain.

Conclusion

The Indian government's roadmap for boosting textile exports is ambitious but well-structured. Although there are numerous challenges, strategic initiatives and industry efforts, coupled with innovation, can pave the way for achieving the $100 billion target. The journey towards this goal is poised to be a dynamic and transformative one for the Indian textile industry.

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

Cotton cultivation started deteriorating due to lack of water in Rajound city of Haryana.

Sun God has been spewing fire for the last two weeks. Due to which the farmers' green fodder crops and cotton crops are becoming victims of the heat and are withering instead of growing day by day. Farmers Dharampal, Raghubir Singh, Karan Singh, Krishna Lal, Seva Singh, Tejpal told that due to continuously increasing temperature and heat, crops are getting affected day by day.

Textile industry is demanding amendments in the policy to ensure competitive raw material prices

The Confederation of Indian Textile Industries (CITI) is advocating policy adjustments aimed at securing competitive prices for raw materials, especially cotton and man-made fibers (MMF), to help the Indian textile industry reach its ambitious Rs 350 billion by 2030. The dollar target can be reached.

Preparations for pre-season cotton cultivation in full swing in Khandesh

Preparations for pre-season cotton cultivation are going well in Khandesh. The cotton seeds have reached dealers and are now available for purchase. Although cotton cultivation is expected to decline slightly this year, horticulture farmers are planning to reduce the area devoted to cotton and diversify into other crops.

Pakistan: Cotton is cultivated on more than 100,000 acres of land in Faisalabad.

Chaudhary Khalid Mahmood, divisional director (extension) of the agriculture department, shared promising news: Cotton cultivation in Faisalabad division has crossed the 100,000-acre mark. Speaking at the Farmers Day meeting organized by progressive farmer Muhammad Zia-ul-Haq at Chak 487-GB, Mahmood revealed that the initial target set by the Agriculture Department for cotton cultivation this year was 115,800 acres. However, farmers have already dedicated 100,000 acres of land to cotton, with the remaining target expected to be met soon.

Despite forecast of good monsoon, farmers worried about cotton crop, impact on textile industry will be visible

Farmers worried about cotton crop even as favorable monsoon is predicted; The impact on the textile industry will be obvious, this year, cotton prices are expected to be under pressure in global markets, but Indian farmers have other concerns as well, which will impact the textile industry.

This week, the coton market remained in *bullish* mood, with cotton prices falling across various region

This week, a bullish environment was observed in the cotton market. An increase of 75 was seen in the states of Punjab and Haryana in the North Zone. There was stability in Upper Rajasthan state.

In the central zone states of Madhya Pradesh and Maharashtra, an increase of Rs 600-700 per candy was recorded, while Gujarat had the highest increase of Rs 1000 per candy.

In the South Zone, Karnataka, Andhra Pradesh and Telangana states witnessed a rise of Rs 500-700 per candy, while Odisha state remained stable.

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91119 77775

DATE: 25.05.2024

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	20.05.24		25.05.24		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,725	5,750	5,800	5,825	75
HARYANA	27.5/28	5,630	5,650	5,725	5,725	75
UPPER RAJASTHAN	28	5,375	5,825	5,475	5,825	0
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	56,400	56,800	57,500	57,800	1,000
MADHYA PRADESH	29	56,700	57,000	57,300	57,800	800
MAHARASHTRA	29+ vid.	57,000	57,300	57,400	58,000	700
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	58,700	58,900	58,800	58,900	0
KARNATAKA	29 mm	57,000	57,500	57,700	58,200	700
ANDHRA PRADESH	29 mic 4+	57,000	58,300	57,600	58,900	600
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	57,000	58,000	57,500	58,500	500
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77775